पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2018-20 प्रकाशित: 16.09.2019 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

।। ओ३म् ।।

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868051444

100/-रू का सहयोग

क्या आपने गत् 36 वर्ष में युवा उदघोष को सहयोग दिया है, इस बार दीपावली ''युवा उद्घोष'' के नाम कम से कम 100/- रू का सहयोग अवश्य प्रदान करें।
खाता सं. 20024363377
बैंक आफ महाराष्ट्र,
मुखर्जी नगर, दिल्ली,
कोड: IFSCode: MAHB0000901

वर्ष-36 अंक-08 आश्विन-2076 दयानन्दाब्द 196 16 सितम्बर से 30 सितम्बर 2019 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.09.2019, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

जहां नहीं होता कभी विश्राम ओ३म् आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् प्रस्तुत करता है

136वें महर्षि दयानन्द बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में संगीत संध्या

एक शाम ऋषि दयानन्द के नाम

सोमवार, 28 अक्तुबर, 2019, सायं 4.00 से 8.00 बजे तक

स्थान : **दिल्ली हाट पीतमपुरा,** दिल्ली (निकट मैट्रो स्टेशन नेताजी सुभाष पैलेस)

11 कुण्डीय यज्ञ सायं 4 से 5 तक, ब्रह्मा: आचार्य गवेन्द्र शास्त्री जी

मुख्य यजमानः सर्व श्री राजेश जुनेजा, तिलक चांदना, विवेक राणा, सुरेश आर्य, धर्मदेव खुराना, रणसिंह राणा, नरेन्द्र कालड़ा, राजीव आर्य, एस.के. आहुजा, सतीश आर्य, ओमप्रकाश नागिया, विनोद कालरा, सुरेन्द्र मानकटाला

गायक कलाकार :- नरेन्द्र आर्य सुमन ★ प्रवीन आर्या ★ अंकित उपाध्याय

मुख्य अतिथिः पदमश्री हसंराज हंस (संसद सदस्य)

अध्यक्षता : श्री आनन्द चौहान (निदेशक, ऐमिटी शिक्षण संस्थान)

विशिष्ट अतिथिः श्रीमती वंदना कुमारी (विधायक), रेखा गुप्ता व आलोक शर्मा (अध्यक्ष, निर्माण समिति)

गरिमामय उपस्थितिः सर्व श्री दर्शन अग्निहोत्री, ठाकुर विक्रम सिंह, सुभाष आर्य (पूर्व महापौर), ममता नागपाल (पार्षद), सुरेन्द्र कोहली, यशपाल आर्य (पूर्व पार्षद), रमेशचन्द शास्त्री, संगीता व राकेश चौधरी, नरेन्द्र अरोड़ा, एस.पी. टुडेजा, रविन्द्र आर्य, प्रवीन तायल, अमित मान, गायत्री मीना, राजीव मुखी, सुषमा अरोड़ा, उर्मिला-महेन्द्र मनचंदा, अनिल मित्रा, आदर्श आहुजा, डॉ. राजीव चावला, विजयारानी शर्मा, प्रदीप गोगिया, संजीव महाजन, सुमित चौधरी, वेद खट्टर, डॉ. विशाल आर्य, डिम्पल-नीरज भंडारी, सुशील सलवान, राजीव परम, ब्रह्मप्रकाश मान, राजरानी अग्रवाल, प्रवीण भाटिया, पुष्पलता वर्मा, ओमप्रकाश जैन, मदन खुराना, सुशील गुलाटी, आनन्द प्रकाश गुप्ता, निर्मल जावा, इन्द्रजीत महाजन, अमरसिंह सहरावत, उषा आहुजा, कमल मोंगा, सोमनाथ पुरी।

आर्य महिला गौरव अवार्ड से सम्मानित होंगे

श्रीमती सुशील ठुकराल	श्रीमती अनुराधा चड्ढा	श्रीमती शकुंतला आर्या
श्रीमती इन्द्रा वत्स	श्रीमती पुष्पा सक्सेना	श्रीमती संतोष शर्मा
श्रीमती पूनम गर्ग	श्रीमती सुदेश आहुजा	श्रीमती प्रतिभा जुनेजा
श्रीमती सुषमा सुनेजा	श्रीमती सुप्रिया कपूर	श्रीमती पुष्पा मदान
श्रीमती सरला	श्रीमती सुनीता आर्या	श्रीमती नीरू कपूर

आमंत्रित आर्य नेताः सर्व श्री ओम सपरा, रमेश कुमारी भारद्वाज, रत्नाकर बत्रा, सुरेन्द्र गुप्ता, रवि चड्ढा, रविदेव गुप्ता, ओमप्रकाश यजुर्वेदी, राजेन्द्र लाम्बा, राजेश मेहंदीरत्ता, जितेन्द्र डावर, अमरनाथ बत्रा, सुशील बाली, प्रेमकुमार सचदेवा, ओमप्रकाश मनचन्दा, उर्मिला आर्या, अर्चना पुष्करणा, अंजू जावा, अमीरचन्द रखेजा, डॉ. धर्मवीर आर्य, सोहनलाल मुखी, नरेन्द्र कस्तूरिया, रामकुमार भगत, महेन्द्र टांक, कृष्णा सपरा, वेदप्रकाश, हेमराज बंसल, प्रि. अंजु महरोत्रा, रमेश गाडी, सुशीला सेठी, सुदेश डोगरा, सुरेन्द्र शास्त्री, टी.आर. मित्तल, माता शीला ग्रोवर, सुनीता बुग्गा, अनीता कुमार, आर.पी. सूरी, सुमन नागपाल, सोहनलाल आर्य, सोनिया संजु, राधा भारद्वाज, प्रेम छाबड़ा, विवेक चावला, संतोष शास्त्री

ऋषि लंगर **आप सपरिवार इष्ट मित्रों सहित सादर आमन्त्रित हैं**

निवेदक

अनिल आर्य, राष्ट्रीय अध्यक्ष; महेन्द्र भाई, राष्ट्रीय महामंत्री; यशोवीर आर्य, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष; लक्ष्मणसिंह आर्य, स्वागत अध्यक्ष; व्रतपाल भगत, स्वागत अध्यक्ष; वेदप्रकाश आर्य

रामकुमार सिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष; प्रवीन आर्य, राष्ट्रीय मन्त्री; देवेन्द्र भगत, प्रेस सचिव; ओमप्रकाश गुप्ता, स्वागत अध्यक्ष; धर्मपाल परमार, स्वागत मन्त्री; विकास गोगिया, स्वागत मन्त्री

दुर्गेश आर्य, राष्ट्रीय मंत्री; धर्मपाल आर्य, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष; राकेश भटनागर, राष्ट्रीय मन्त्री; सौरभ गुप्ता, अरूण आर्य, प्रदीप, माधव, शिवम, प्रबंधक गण

कार्यालय : आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली-110007, मो. 9868051444, 9958889970, 9868664800
E-mail: aryayouthn@gmail.com **Website:** www.aryayuvakparishad.com
Group: aryayouthgroup@yahoogroups.com • join-http:// www.facebook.com/group/aryayouth

भारत रूस सम्बन्धों का नया अध्याय

–अवधेश कुमार

रुस ने जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने पर जिस तरह खुलकर भारत का समर्थन किया उससे बड़ा प्रमाण संबंधों की गहराई का तत्काल कुछ नहीं हो सकता। सुरक्षा परिषद की बंद कमरे की मंत्रणा में रुस का मुखर तेवर भारत की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला साबित हुआ था। ऐसे समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय रुस यात्रा का महत्व बढ़ जाता है। हालांकि पूरी यात्रा के परिणामों को देखते हुए यह कहना गलत होगा कि मोदी ने केवल कश्मीर पर रुस के समर्थन को भविष्य के लिए सुदृढ़ कर आश्वस्त हो जाने के लक्ष्य सेह यात्रा किया था। इस यात्रा के आयाम काफी व्यापक थे। सच कहा जाए तो इस यात्रा से दोनों देशों के संबंधों में ऐसे अध्यायों की शुरुआत हुई है जिनके बारे में शायद पहले विचार नहीं किया गया था। मूल रुप में यह भारत रुस का 20वां शिखर सम्मेलन था। रुस ने मोदी को अपने देश का सबसे बड़ा नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल से सम्मानित करने का ऐलान पहले से किया हुआ था। पुतिन ने ईस्टर्न इकोनोमिक सम्मेलन में उन्हें विशेष अतिथि के रुप में आमंत्रित किया। यह रुस की नजर में प्रधानमंत्री मोदी और भारत के बढ़ते कद का परिचायक है। रुस ने मोदी की यात्रा को पर्याप्त महत्व दिया। व्लादिवोस्तोक पहुंचने पर मोदी ने कहा कि जहां 21वीं सदी में मानव विकास की नई गाथाएं लिखी जा रही हैं, ऐसे कर्मतीर्थ में आकर मुझे अपार खुशी हो रही है।

हालांकि 2014 से लेकर अब तक मोदी चार बार रूस की यात्रा कर चुके हैं। लेकिन इस यात्रा का महत्व सबसे अलग था। मोदी इस यात्रा में पूरी तैयारी से गए थे और रुस ने उसके समानांतर जवाबी तैयारी की थी। प्रधानमंत्री के साथ फिक्की का 50 सदस्यीय बड़ा प्रतिनिधिमंडल था। इसका सीधा अर्थ था कि सरकारी स्तरों से परे निजी स्तर पर व्यापार एवं निवेश को प्रोत्साहित किया जाएगा। साझा पत्रकार वार्ता में मोदी ने कहा भी कि हमने सहयोग को सरकारी दायरे से बाहर लाकर उसमें लोगों और निजी उद्योग की असीम ऊर्जा को जोड़ा है। हमारे रिश्तों को हम राजधानियों के बार भारत के राज्यों और रूस के अन्य क्षेत्रों तक ले जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी रूस के सुदूर पूर्व क्षेत्र (फार ईस्ट रीजन) की यात्रा करने वाले देश के पहले प्रधानमंत्री हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने मोदी को अपने देश के सुदूर पूर्व हिस्सों में विकास कार्यों की जानकारी दी। प्रधानमंत्री को कई मॉडल्स और प्रजेंटेशन के जरिए विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी दी गई। दरअसल, रुस इस क्षेत्र का विकास चाहता है और उसमें वह भारतीय कंपनियों का ही नहीं कुशल भारतीय कामगारों का भी स्वागत करने को तैयार बैठा है। भारत के लिए भी यह अवसर उस क्षेत्र में निवेश कर लाभ उठाने तथा अपने मानव श्रम तक के निर्यात करने का है। व्लादिवोस्तोक में खनिज और ऊर्जा के बड़े भंडार मौजूद हैं। विदेश सचिव विजय गोखले ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में जो जानकारी दी उसके अनुसार दुनिया में जहां कहीं भी मैनपावर की कमी है, भारत उन सभी जगहों पर स्किल्ड वर्कर्स या प्रशिक्षित कामगार भेजने पर काम रहा है। राजधानी मॉस्को से व्लादिवोस्तोक तक ट्रेन से पहुंचने में 7 दिन लगते हैं। यहां कम जनसंख्या की वजह से प्राकृतिक संसाधनों के खनन में भी परेशानी आती है। ऐसे में कृषि और खनन सेक्टर में भारत के लिए यह बड़ा मौका होगा। हमारे प्रशिक्षित लोग यहां काम कर दोनों देशों के विकास में योगदान दे सकते हैं।

दोनों देशों ने रक्षा, तकनीक, उर्जा से लेकर अंतरिक्ष मिशन तक 13 समझौते किए। प्रधानमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में भारत और रूस के बीच साझेदारी की चर्चा करते हुए कहा कि आज हमारे बीच रक्षा, नाभिकीय उर्जा, अंतरिक्ष, बिजनस टु बिजनस समेत कई क्षेत्रों में सहयोग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए सहमति बनी है। भारत में रूस के सहयोग से न्यूक्लियर प्लांट बन रहे हैं, कुछ समय पहले ही में भारत का एक प्रतिनिधिमंडल यहां पर आए और इस दौरान समझौतों को लेकर बातचीत हुई। भारत के एच–एनर्जी ग्लोबल लिमिटेड और रूस के नोवाटेक ने भारत और अन्य बाजारों में एलएनजी की आपूर्ति के लिए समझौता किया। इसके तहत नोवाटेक भारत, बांग्लादेश और अन्य बाजारों में एलएनजी की बिक्री के लिए भविष्य के एलएनजी टर्मिनल और संयुक्त उद्यम के गठन में निवेश करेगी। रक्षा जैसे क्षेत्र में रूसी उपकरणों के स्पेयर पार्ट्स दोनों देशों के संयुक्त उद्यम द्वारा बनाने पर हुआ समझौता रक्षा उद्योग को आगे बढ़ाने वाला साबित होगा। जैसा मोदी ने कहा भारत–रूस रक्षा, कृषि, पर्यटन, व्यापार में आगे बढ़ रहे हैं। अंतरिक्ष में दोनों देशों का सहयोग काफी ऊंचाई हासिल कर चुका है। गगनयान यानी भारतीय ह्यूमन स्पेस फ्लाइट के लिए भारत के अंतरिक्ष वैज्ञानिक रूस में प्रशिक्षण लेंगे। चेन्नै और व्लादिवोस्तोक के बीच एक समुद्री मार्ग तैयार किए जाने का प्रस्ताव रखा गया है। ओएनजीसी और कुछ हीरा कंपनियां अभी रूस के इस सुदूर पूर्वी इलाके में काम कर रही हैं। भारत–रूस इंटरनेशनल नॉर्थ साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर यानी अंतरराष्ट्रीय उत्तर दक्षिण ट्रांसपोर्ट गलियारा पर भी काम कर रहे हैं। यह 7200 किलोमीटर लंबा सड़क, रेल और समुद्र मार्ग होगा जो भारत, ईरान और रूस को जोड़ेगा। कॉरिडोर हिंद महासागर और फारस की खाड़ी से ईरान के चाबहार बंदरगाह होते हुए रूस के सेंट पीटर्सबर्ग को जोड़ेगा। भारत और रुस के अलग–अलग स्थानों से जुड़ाव के बाद नागरिक, व्यापारिक आदान–प्रदान कितना आसान हो जाएगा इसकी कल्पना आसानी से की जा सकती है। प्रधानमंत्री मोदी ने रुस से आकर्टिक क्षेत्र भी खोलने का आग्रह किया है ताकि दूरियां और कम हों एवं उर्जा पर काम किया जा सके।

इससे समझा जा सकता है कि कितने व्यापक स्तर पर संबंधों के विस्तार की आधारशीला रख दी गई। इसे ही संबंधों की सघनता कह सकते हैं। ध्यान रखिए, यह क्षेत्र चीन के बिल्कुल पास है। चीन ने वहां काफी निवेश किया हुआ है। इस तरह भले यह यात्रा छोटी यानी केवल 36 घंटे की थी लेकिन इसकी परिणति ऐतिहासिक है। अगर लोगों को जोड़ना है, रुस में निजी निवेश करना है, अपने कुशल मैनपावर को काम में लगाना है तो परियोजनाओं की जानकारी, संभावनाएं तथा आने–जाने के सुगम मार्ग चाहिए। इन पर काम आरंभ होने का मतलब भविष्य में रुस और भारत के संबंध का वर्णक्रम बिल्कुल बदला दिखेगा। इसके सामरिक महत्व को नकारा नहीं जा सकता। पुतिन मोदी को ज्वेज्दा पोत निर्माण केंद्र भी दिखाने ले गए। यहां उन्होंने कुछ प्रदर्शनी भी देखी। संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान पुतिन ने भी कहा कि हमारी दोस्ती लगातार मजबूत हो रही है। हम लोग लगातार खुले और बढ़िया वातावरण में बातचीत कर रहे हैं। हमारी प्राथमिकता निवेश और व्यापार है, दोनों देशों के व्यापार में 17 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। हम भारत की कंपनियों का रूस में स्वागत करना चाहते हैं। हम भारत में मिसाइल प्रणाली और रायफल बनाने की ओर कदम बढ़ा रहे हैं।

भारत ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम का सदस्य नहीं है, लेकिन मोदी राष्ट्रपति पुतिन के विशेष आमंत्रण पर इसकी पांचवी बैठक में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। मोदी ने वहां बदलते हुए बेहतर भारत की तस्वीर पेश की जिसे दुनिया ने सुना। उसी मंच से उन्होंने रूस के सुदूर पूर्व में 1 अरब डौलर के लाईन औफ क्रेडिट यानी विशेष शर्तों वाले ऋण का ऐलान कर सोदश दिया कि वह पूरे क्षेत्र में प्रभावी उपस्थिति की ओर अग्रसर है। इस मंच से भारत को रूस के सुदूर पूर्व को विकसित करने के साथ एशिया–प्रशांत क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने का अवसर मिलेगा। सम्मेलन में जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, मलेशिया के प्रधानमंत्री महातिर मोहम्मद और मंगोलिया के राष्ट्रपति खाल्तमागिन बत्तुलगा आदि भी शामिल थे। प्रधानमंत्री ने कम समय में ही इन नेताओं से भी अलग–अलग बातचीत की। वैसे अमेरिका के विरोध के बावजूद भारत द्वारा रुस से एस 400 मिसाइल प्रणाली खरीदने पर दिखाई दृढ़ता एवं उसका अग्रिम भुगतान कर देने से भी रुस का झुकाव ज्यादा बढ़ा है। अमेरिका एवं पश्चिमी यूरोप ने रुस को प्रतिबंधित किया हुआ है, लेकिन भारत ने क्रीमिया और यूक्रेन पर रुस की नीति से असहमत होते हुए भी उसको बिल्कुल नजरअंदाज नहीं किया। इससे भारत और रुस के संबंधों में व्यापक बदलाव आ गया। रुस का झुकाव चीन की ओर ज्यादा हो गया था। वह पाकिस्तान को भी काफी महत्व देने लगा था। इस दौरे से साबित हो गया कि भारत उसकी प्राथमिकता में शामिल है। दोनों देशों की अनेक अंतरराष्ट्रीय मामले पर एकजुटता का व्यापक असर होगा। अफगानिस्तान को लेकर भी दोनों नेताओं के स्वर एक ही थे। पाकिस्तान और चीन वहां भारत की भूमिका बिल्कुल नहीं चाहता। इस मायने में दोनों नेताओं की यहघोषणा बहुत महत्वपूर्ण है कि हम आतंकवाद से मुक्त एक शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक बाहरी हस्तक्षेप से परे अफगानिस्तान देखना चाहते हैं।

ई:30, गणेश नगर, पांडव नगर कॉम्प्लेक्स, दिल्ली:110092,
दूरभाष:01122483408, 9811027208

दिल्ली चलो–आर्य सनातन रक्षा सम्मेलन
आर्य नेता ठाकुर विक्रम सिंह जी के नेतृत्व में
शुकवार, 27 सितम्बर 2019
प्रात:10 बजे से दोपहर 2.30 बजे तक
स्थान: तालकटोरा स्टेडियम,नई दिल्ली
हजारों की संख्या में पंहुचे
निवेदक–
डा.आनन्द कुमार
महासचिव, राष्ट्र निर्माण पार्टी

राष्ट्रीय आर्य बुद्धिजीवी सम्मेलन पंजाबी बाग, दिल्ली की झलकियां

रविवार, 1 सितम्बर 2019,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा आयोजित योग निकेतन में सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी, मंच पर बांये से–पं.धनेश्वर बेहरा (उड़ीसा), मित्रमहेश आर्य (अहमदाबाद), आर्य नेता आर.पी.सूरी, आचार्य गवेन्द्र शास्त्री, राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य, ठाकुर विक्रम सिंह जी, स्वामी श्रद्धानन्द जी (पलवल), स्वतन्त्र कुकरेजा (करनाल), शिक्षाविद संगीता चौधरी व आचार्य चन्द्रशेखर शर्मा (ग्वालियर)।

हंसी के पल–मुख्य अतिथि पदमश्री हंसराज हंस(सांसद) व अनिल आर्य चर्चा करते हुए, द्वितीय चित्र–हंसराज हंस जी का स्वागत करते आर्य युवा नेता राजीव आर्य व राजेश मेहन्दीरता जी।

दीप प्रज्जवलन का द्रश्य–सांसद श्री हंसराज हंस जी के साथ बांये से आचार्य प्रेमपाल शास्त्री,अनिल आर्य, ठाकुर विक्रम सिंह जी,चन्द्रशेखर शर्मा,आचार्य अखिलेश्वर जी व स्वतन्त्र कुकरेजा।

भाजपा नेता यशपाल आर्य व मोहनी आर्या का स्वागत करते अनिल आर्य,अमरनाथ बत्रा,जगदीश मलिक,के.एल.राणा व महेन्द्र भाई, द्वितीय चित्र–माता शीला ग्रोवर का स्वागत करते स्वामी आर्यवेश जी,आचार्य गवेन्द्र शास्त्री व अनिल आर्य।

शोक समाचार: विनम्र श्रद्धांजलि

1. श्रीमती सुधा वर्मा (धर्मपत्नि श्री विद्यासागर वर्मा) का निधन।
2. श्री सुरेन्द्र पुष्करना (भ्राता विनोद पुष्करना, अमर कालोनी) का निधन।
3. श्री हंसमुख परमार (मंत्री, आर्य समाज, टंकारा) का निधन।
4. श्री शान्तिस्वरूप सहगल (पिता अजेय सहगल, डलहोजी) का निधन।
5. श्रीमती सावित्री देवी (माता वेद खट्टर, महरौली) का निधन।
6. श्रीमती पुष्पा सलुजा (धर्मपत्नि मदनमोहन सलुजा, पंजाबी बाग) का निधन।
7. श्रीमती सावित्री चौधरी (बुआ डा. जयदीप आर्य, करनाल) का निधन।
8. श्री अरूण जेटली (पूर्व केन्द्रीय मंत्री) का निधन।

विभिन्न प्रान्तों से पधारे आर्य नेताओं का दिल्ली में अभिनन्दन

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् उड़ीसा के प्रान्तीय अध्यक्ष पं.धनेश्वर बेहरा व द्वितीय चित्र में परिषद् के मध्य प्रदेश प्रान्तीय अध्यक्ष आचार्य भानुप्रताप वेदांलकार (इन्दौर) का स्वागत करते अनिल आर्य, राष्ट्रीय कवि प्रो. सारस्वतमोहन मनीषी, आचार्य चन्द्रशेखर शास्त्री,रामकुमार आर्य,स्वामी प्रणवानन्द जी व सुरेश आर्य (गाजियाबाद)।

स्वामी आर्यवेश जी का स्वागत करते श्री सत्यानन्द आर्य,श्री हंसराज हंस का स्वागत करते स्वामी श्रद्धानन्द जी व स्वामी आर्यवेश जी का स्वागत करते प्रो.जयप्रकाश आर्य (पलवल)।

जिला फरीदाबाद के अध्यक्ष जितेन्द्रसिंह आर्य व व्यायामाचार्य सूर्यदेव आर्य(जीन्द) का अभिनन्दन करते राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष धर्मपाल आर्य,सौरभ गुप्ता,प्रदीप आर्य व वीरेन्द्र आर्य, रामफल खर्ब व योगेन्द्र शास्त्री,द्वितीय चित्र–परिषद् के गुजरात प्रान्तीय अध्यक्ष मित्रमहेश आर्य(अहमदाबाद) का स्वागत करते अनिल आर्य व प्रदीप आर्य।

हिमाचल प्रान्तीय बैठक धर्मशाला में सम्पन्न व रविदेव गुप्ता दम्पति को बधाई

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् हिमाचल प्रदेश की बैठक धर्मशाला में श्री अजेय सहगल के संयोजन में सोल्लास सम्पन्न हुई व हिमाचल में कार्य विस्तार पर चर्चा हुई। द्वितीय चित्र–आर्य समाज,सफदरजंग एनक्लेव,दिल्ली के प्रधान श्री रविदेव गुप्ता व श्रीमती प्रकाश गुप्ता की 50 वीं वैवाहिक वर्षगांठ पर अभिनन्दन करते परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य व प्रवीन आर्या।

समाजसेवी डा.एस.एन.सुब्बाराव जी के सान्निध्य में हरिजन सेवक संघ गुरू तेग बहादुर नगर,दिल्ली में यूथ कैम्प के उद्घाटन के अवसर पर स्वामी चिदानन्द जी(हरिद्वार),साध्वी भगवती जी,प्रवीन आर्या व अनिल आर्य । देश के विभिन्न प्रान्तों से 500 युवा भाग ले रहे हैं । द्वितीय चित्र–आर्य समाज,अशोक विहार,फेज–1,दिल्ली में बच्चों को पुरस्कृत करते विधायक राजेश गुप्ता,अनिल आर्य,मंत्री जीवनलाल आर्य,आनन्दप्रकाश आर्य,चन्द्रशेखर शर्मा व बहादुरचंद गुप्ता (हवाई जहाज वाले)।

आर्य जनता का विश्वास है हमारे साथ!!!

आर्यो की द्वितीय थाईलेन्ड यात्रा

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के सौजन्य से दिनांक 28 सितम्बर से 4 अक्तुबर 2019 तक थाईलेन्ड, बैंकॉक यात्रा का कार्यक्रम बनाया गया है। 98 आर्य जन भाग ले रहे हैं। संयोजक देवेन्द्र भगत को हार्दिक बधाई।

सम्पादकः अनिल कुमार आर्य द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए मंयक प्रिटर्स, 2199/63,नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, प्रबन्धक : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970